CAREERS 360

RBSE Class 12 Hindi

Model Paper 2021

उच्च माध्यमिक परीक्षा मॉडल प्रश्न–पत्र 2021
विषय–हिन्दी अनिवार्य

समयः 3¼ घण्टे **पूर्णांक 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–
GENERAL INSTRUCTION TO THE EXAMINEES:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंकभार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड–अ(A)	1 (i से x) 2 से 11=20	1	20
खण्ड–ब(B)	12 से 19 = 8	2	16
खण्ड–स(C)	20 से 23 = 4	4	16
खण्ड–द(D)	24 से 25 = 2	5	10
खण्ड–य(E)	26 से 28 = 3	6	18

खण्ड– अ

प्रश्न 1. नीचे दिये गए बहुविकल्पी प्रश्नों में सही विकल्प का चयन कर उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में लिखें।

(i) निम्नलिखित में से किसकी लिपि 'देवनागरी' नहीं है –
(अ) नेपाली (ब) हिंदी (स) पंजाबी (द) संस्कृत 1

(ii) सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा के स्थानीय रूप को कहते हैं –
(अ) राजभाषा (ब) राष्ट्रभाषा (स) उपभाषा (द) संपर्कभाषा 1

(iii) निम्नलिखित में से किस अलंकार में समता दर्शायी जाती है –
(अ) यमक (ब) श्लेष (स) रूपक (द) उपमा 1

(iv) कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
या खाये बोराय जग, वा पाये बोराय।।
इसमें अलंकार है –
(अ) यमक (ब) अनुप्रास (स) श्लेष (द) उपमा 1

(v) Thesis शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) शब्दकोश (ब) शोध प्रबन्ध (स) शोध कार्य (द) उपर्युक्त सभी 1

(vi) Vigilance शब्द का हिन्दी अर्थ है –
(अ) सतर्कता (ब) सुरक्षा (स) सावधानी (द) निगरानी 1

(vii) चूड़ामणि द्वारा स्वर्णथाल उपहार में प्रस्तुत करने पर ममता ने कहा –
(अ) 'विपदा के समय यह काम आएगा।' (ब) 'इतना सोना पाकर मैं धन्य हो गई।'
(स) 'तो क्या आपने म्लेच्छ का उत्कोच स्वीकार कर लिया।'
(द) 'इस स्वर्ण को रखने के लिए मेरे पास स्थान नहीं है।' 1

(viii) तुलसीदास की भक्ति मानी जाती है –
(अ) सखा भाव की (ब) दास्य भाव की
(स) माधुर्य भाव की (द) कान्ता भाव की 1

(ix) इंटरनेट पत्रकारिता आजकल लोकप्रिय है, क्योंकि –
(अ) इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है।
(ब) इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुँचाई जाती है।
(स) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल की जा सकती है। (द) उपर्युक्त सभी 1

(x) **समाचार के पहले पैराग्राफ यानी मुखड़े (इंट्रो) में चार ककारों की जानकारी दी जाती है –**
(अ) किसको, किसने, किससे और क्यों।
(ब) क्या, कौन, कब और कहाँ।
(स) क्यों, कैसे, किसलिए और किससे
(द) कब, किससे, किसने और किस प्रकार **1**

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न :–

प्रश्न 2–5 निम्नलिखित अपठित गंद्याश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 10 शब्द)

अंहकार, क्रोध या द्वेष हमारे मन की बाधक प्रवृतियाँ हैं। यदि हम इनको बेरोक–टोक चलने दें, तो निःसंदेह वह हमें नाश और पतन की ओर ले जाएगी, इसलिए हमें उनकी लगाम रोकनी पड़ती है, उन पर संयम रखना पड़ता है, जिससे वे अपनी सीमाओं से बाहर न जा सकें। हम उन पर जितना कठोर संयम रख सकते है, उतना ही मंगलमय हमारा जीवन हो जाता है।

किंतु नटखट लड़कों से डाँटकर कहना–'तुम बड़े बदमाश हो, हम तुम्हारे कान पकड़कर उखाड़ लेंगे'–अक्सर व्यर्थ ही होता है। बल्कि उस प्रवृत्ति को हठ की ओर ले जाकर पुष्ट कर देता है। जरूरत यह होती है कि बालक में जो सद्वृत्तियाँ हैं, उन्हें ऐसा उत्तेजित किया जाए कि दूषित वृत्तियाँ स्वाभाविक रूप से शांत हो जाए। इसी प्रकार मनुष्य को भी संयम के लिए आत्म विश्वास की आवश्यकता होती है। साहित्य मनोविकारों के रहस्य को खोलकर सद्वृत्तियों को जगाता है। सत्य के रसों द्वारा हम जितनी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं, ज्ञान और विवेक द्वारा नहीं कर सकते। उसी भाँति जैसे दुलार–पुचकार कर बच्चों को जितनी सफलता से वश में किया जा सकता है, डाँट–फटकार से संभव नहीं। साहित्य मस्तिष्क की वस्तु नहीं, हृदय की वस्तु है। जहाँ ज्ञान और उपदेश असफल होता है, वहाँ साहित्य बाजी मार ले जाता है।

प्रश्न –2. हमारे मन की बाधक प्रवृत्तियाँ कौन–सी है। **1**
प्रश्न –3. हमें हमारे मन की बाधक प्रवृत्तियों की लगाम क्यों रोकनी पड़ती है। **1**
प्रश्न –4. दूषित वृत्तियों को शांत करने का क्या उपाय है ? **1**
प्रश्न –5. साहित्य हृदय की वस्तु है, कैसे ? **1**

प्रश्न 6–8 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा 10 शब्द)

धर कर चरण विजित श्रृंगों पर
झण्डा वही उड़ाते हैं,
अपनी ही उँगुली पर जो
खंजर की जंग छुड़ाते हैं।
पड़ी समय से होड़
खींच मत तलवों से काँटें रूककर,
फूँक–फूँक कर चलती न जवानी
काँटों से बचकर, झुककर।
नींद कहाँ उनकी आँखों में,
जो धुन के मतवाले हैं।
गति की तृष्णा और बढ़ती है,
पड़ते जब पग में छाले है।
जागरूक की जय निश्चित है,

हार चुके सोने वाले।
लेना अनल किरीट भाल पर,
ओ! आशिक होने वाले।

प्रश्न–6. कवि ने जवानी की क्या विशेषता बताई है ? **1**

प्रश्न–7. कवि के अनुसार 'गति की तृष्णा' से क्या अभिप्राय है ? **1**

प्रश्न–8. 'गति की तृष्णा' कब बढ़ती है ? **1**

उपरोक्त अपठित पद्यांश को पढ़कर रिक्त स्थान में उपर्युक्त शब्द पूर्ति कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए :–

प्रश्न–9 जागरूक की जय .... है, हार चुके सोने वाले। 1

प्रश्न–10. समाचार लेखन में .... महत्वपूर्ण होता है। 1

प्रश्न–11. समाचार लेखन की .... शैली में क्लाइमेक्स बिल्कुल आखिर में आता है। 1

खण्ड–ब

प्रश्न–12. जिला कलेक्टर उदयपुर की ओर से राजस्व सचिव राजस्थान सरकार को स्वच्छता अभियान हेतु बजट स्वीकृति जारी करने हेतु पत्र लिखिए। (उत्तर सीमा 50 शब्द) 2

प्रश्न–13 'ठेले पर हिमालय' पाठ के आधार पर पर्वतीय क्षेत्रों के प्राकृतिक सौन्दर्य के बारे में लिखिए। (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

प्रश्न–14. 'यहाँ कौन दुर्ग है! यही झोपड़ी न; जो चाहे ले–ले।' प्रस्तुत वाक्य कब किसने–किससे कहा ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

प्रश्न–15. 'रहीम' ने सज्जन व्यक्ति को बार–बार मनाने के लिए क्यों कहा है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

प्रश्न–16. 'जगत के चतुर चितेरे को भी मूढ़ बनना पड़ा।' कवि बिहारी ने ऐसा क्यों कहा है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

प्रश्न–17.''हट जा जीणे जोगिए, हट जा करमाँ वालिए, हट जा पुताँ प्यारिए, बच जा लम्बी उमराँ वालिए।''
प्रस्तुत शब्द कौन और क्यों कह रहा है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

प्रश्न–18. 'बलवान से भिड़न्त' पाठांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

प्रश्न–19. साक्षात्कार को परिभाषित करते हुए साक्षात्कार के प्रकार लिखिए। (उत्तर सीमा 30 शब्द) 2

खण्ड–स

प्रश्न–20. रिपोर्ताज एवं यात्रा–वृत्तांत के अन्तर को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

रिपोर्ट और रिपोर्ताज के अन्तर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न–21. डायरी–लेखन को स्पष्ट करते हुए इसके महत्व को समझाइए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

खेल पत्रकारिता पर एक टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न–22. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में सारगर्भित निबंध लिखिए– 4

(अ) विद्यार्थियों का राष्ट्रनिर्माण में योगदान
(ब) राजस्थान में लोकदेवताओं का महत्व
(स) नारी सशक्तिकरण
(द) मेरी प्रिय पुस्तक

प्रश्न–23. जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय लिखिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) 4

अथवा

कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न–24. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:(उत्तर सीमा 80 शब्द) 5

किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेगपूर्ण अथवा स्तम्भ कारक मनोविकार होता है उसी को भय कहते हैं। क्रोध दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए आकुल करता है और भय उसकी पहुँच से बाहर होने के लिए। क्रोध दुःख के कारण के स्वरूप–बोध के बिना नहीं होता। यदि दुःख का कारण चेतन होगा और यह समझा जाएगा कि उसने जान–बूझकर दुःख पहुँचाया है, तभी क्रोध होगा।

अथवा

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

प्रश्न–25. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:(उत्तर सीमा 80 शब्द) 5

बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजै।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषय ज्वाल की पुंजैं।।

बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुंजैं।
पवन, पानी, धनसार, संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुंजैं।।
ए ऊधो, कहियो माधव सों बिरह कदन करि मारत लुंजैं।
'सूरदास' प्रभु को मग जोवत अँखियाँ भई बरन ज्यों गुंजैं।।

अथवा

जाति न पूछो साधू की पूछि लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।
संगत कीजै साधु की कभी न निष्फल होय।
लोहा पारस परस ते, सो भी कंचन होय।।

खण्ड—य

प्रश्न—26. 'तौलिये' एकांकी के माध्यम से लेखक ने किस आडम्बर व खोखलेपन को अभिव्यक्त किया है?
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

''बाजार से हठपूर्वक विमुखता उनमें नहीं।'' वाक्यांश किसके लिए क्यों कहा गया है? विस्तार से विवेचना कीजिए।

अथवा

भय के साध्य और असाध्य दोनों रूपों को सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न—27. बिहारी के पठित दोहों के आधार पर उनकी नीति व भक्ति को समझाइए।
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

शमशेर बहादुर सिंह की 'उषा' कविता का प्राकृतिक वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

पठित अंश के आधार पर सिद्ध कीजिए कि भूषण वीर रस के कवि थे।

प्रश्न—28. देवनारायणजी एवं महाराजा सूरजमल के सामाजिक एवं धार्मिक महत्व को लिखिए।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) 6

अथवा

महादेवी वर्मा द्वारा रचित 'गौरा' रेखाचित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

’खादी का जन्म’ पाठांश का सार अपने शब्दों में लिखकर प्रस्तुत कीजिए।